SISE & CTE, JABALPUR

ONLINE CLASS SESSION

- Date : 23/04/2020
- Coordinator : Smt. Preeti Shrivastava
- Class : M.Ed. 4th Sem
- Time : 02 to 02:40 PM
- Subject : Special Education
- Topic : Child with learning disabilities
- TLM Used : Images, PDF

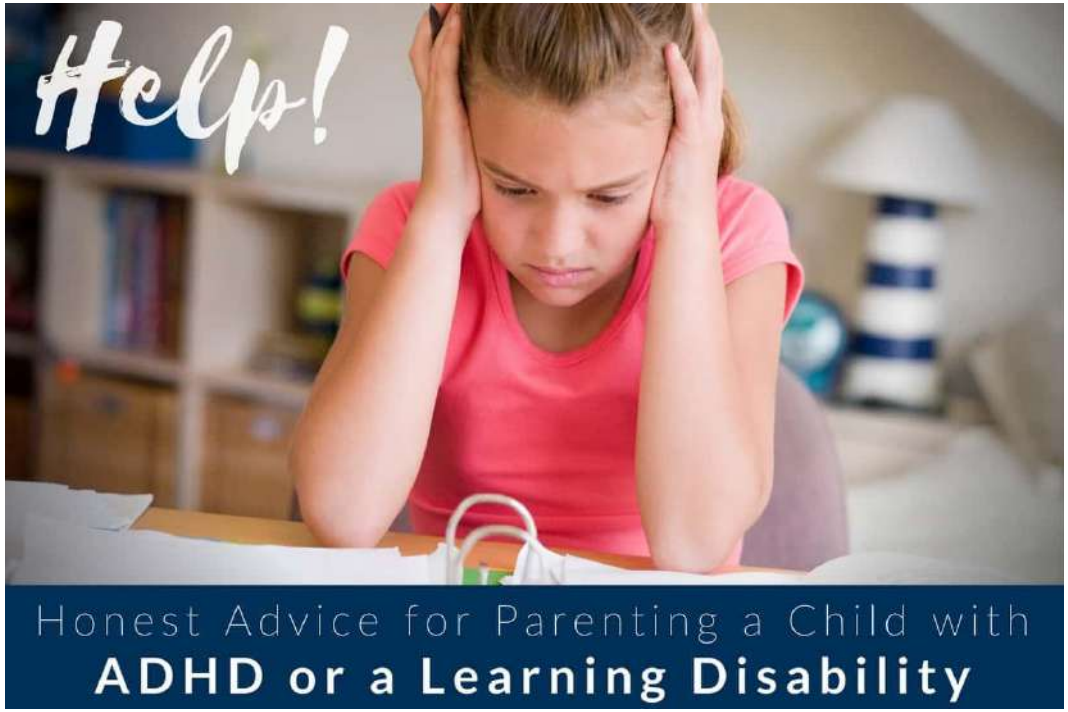

विद्यार्जन में असमर्थ बालक
(Child with Learning Disabilities)

कुछ बालक-बालिकाएँ सामान्य योग्यता वाले होते हुए भी विद्यार्जन में कठिनाई का अनुभव करते हैं। उन्हें लिखने, पढ़ने या बोलने में कठिनाई होती है। जैसे वे bed के लिए deb, was के लिए saw लिखते हैं और इसी प्रकार बोलने में भी सदैव कुछ शब्दों का अशुद्ध उच्चारण करते हैं। अपंग बालकों की राष्ट्रीय सलाहकार समिति (The National Advisory Committee on Handicapped Children USA 1906) ने विद्यार्जन में असमर्थता को इस प्रकार परिभाषित किया है :

"विद्यार्जन में असमर्थ बालक अध्ययन के समय लिखने या बोलने में भाषा सम्बन्धी अव्यवस्था प्रदर्शित करते हैं। यह अव्यवस्था सुनने, बोलने, लिखने, पढ़ने, सोचने आदि से होती है। इसका संभवतः कारण एक प्रकार की त्रुटिपूर्ण मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जो मानसिक तनाव, दबाव या मानसिक आघात के कारण उत्पन्न हुई है।"

विद्यार्जन में असमर्थ राष्ट्रीय संयुक्त समिति (National Joint Committee for Learning Disabilities 1992) ने विद्यार्जन में समर्थ बालकों के सम्बन्ध में लिखा है कि ऐसे बालक जिन्हें शारीरिक अवयवों या मानसिक अव्यवस्था के कारण सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने, तर्क करने, अंक योग्यता या सामाजिक कौशल के अर्जन में कठिनाई होती है वे विद्यार्जन में असमर्थ बालक माने जाते हैं। शारीरिक और मानसिक कठिनाईयों के अलावा विद्यार्जन में कठिनाई के अन्य कारण जेसे - पारिवारिक संरचना, वातावरण, त्रुटिपूर्ण पालन पोषण, अल्प बुद्धि के बालकों की संगत आदि कारण भी होते हैं।

लर्नर (Lerner 1989) महोदय ने विद्यार्जन में असमर्थता के सम्बन्ध में लिखा है कि असमर्थता शारीरिक भागों से उत्पन्न हुई लिखने, पढ़ने, बोलने, सुनने आदि में होती है।

2. यह समस्या आन्तरिक है। सम्भवतः नाड़ी तन्त्र में खराबी से यह समस्या आती है।
3. बालक की विद्यार्जन की असमर्थता के साथ-साथ अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याएँ भी होती हैं।